[Shri Basudeb Mohapatra]

The Regional Centre has failed to give adequate treatment to patients and also to take preventive measures. It is further understood that qualified physicians have not been posted at this Centre.

Madam I would urge upon the Government, especially the Minist-er of Health and Family Welfare, to take proper action to save the lives of thousands of cancer patients who are destined to die without any treatment. A special squad may be sent to the State for the treatment of these patients. I would further urge the honourable Minister to look into the problems of the Regional Cancer Centre at Cuttack and to release a substantial amount of money for the improvement of the Centre. Special steps should also be taken for the eradication of cancer by the end of this Century from the State of Orissa.

Thank you, very much, Madam.

Need for restoring Research Atmosphere in C. R. R. L, Cuttack

SHRIMATI MIRA DAS (Orissa): Madam, Deputy Chairman, the Central Rice Research Institute, Cuttack, is the oldest Rice Research Institute in the world, but the senior members of the institution are of the view that this institution has lost the research environment and that the Institute is not in a position to meet the challenge of increased rice production by the end of the Century because of the way in which the premier institute's research work is being managed.

Madam, the Institute which developed a very high-yielding variety of rice which matures in 60 days only and which has been successfully tried in Kalahandi and Phulbani districts, a traditionally drought-prone region of Orissa, has not been able to utilise the funds I allotted during the Sixth and the Seventh Plan periods due to lack of proper management.

Madam, due to lack of proper environment and leadership, many of the reputed scientists who were behind the Central Rice Research Institute, have moved to countries like Manila and other countries of the world, and they are being appointed to very high posts. The remaining Scientists are busy in some other work, other than the research work due to lack of research facilities. This is the gloomy fate of a pioneer institution.

Madam, through you, I would like to request the Government of India to give special attention to restoring the research atmosphere in the organisation and make a special review of the Central Rice Research Institute, Cuttack.

Thank you.

Irregularities in Public Sector B. C. C. L. and C. C. L. Coal Companies

श्री राम अवधेश सिंह (बिहार) : उप-सभापति महोदया, मैं आज जो-मंत्री जी आप बैठिए, आप से ही सबंधित बात है, अच्छा हैं कि आप यहां हैं—सवाल इस सदन के सामने उठा रहा हूं वह सार्वजनिक सम्पत्ति की लूट का सवाल है। कोल इंडिया की बी०सी०सी०एल० और सी.सी.एल. ये जो दो कम्पनियां हैं इनमें ऐसे लोगों को कोयला बेचा जाता है, इस ढ़ंग से बेचा जाता है कि इसका अंजाम यह होता है कि सैकड़ों करोड़ रुपये की लूट हो जाती है। महोदया, मैंने एक सवाल किया था और उस अतारांकित सवाल के जवाब में सब जो लिखा था जो दिया गया था बिल्कुल फेक था। मैंने मंत्री जी को फिर शार्ट नोटिस क्वेश्चन दिया था और ये राजी हो गये हैं, हमें उस पर जवाब देंगे। मैं इनका आभारी हुं कि वह इनके पास चला जाएगा। लेकिन अभी मैं कहना चाहता हूं कि बी०सी०सी०एल०और सी०सी०एल० में इन्फेलेटेड प्रोक्डशन दिखाया जाता है और इतना दिखाया जाता है कि उसका कोई हिसाब नहीं होता।

जो हमको जवाब दिया गया है उसमें सब मिलाकर, बी०सी०सी०एल० ने कहा है कि, 8.034 मिलियन टन अभी हमारा स्टाक हैं और 36 मिलियन टन और स्टाक सारे कोल इंडिया में है। मैं यह जानना चाहता हूं कि कोल इंडिया का टोटल प्रोडक्शन जब 159 मिलियन टन के करीब है तो फिर जो आपका 44 मिलियन टन स्टाक रखा ही रहता है यह कहां से आता है। ये पत्थर और पहाड़ जो होते हैं उसमें लोग धूल गर्दा डाल देते हैं और कहते हैं कि यह भी हमारा प्रोडक्शन है और प्रोडक्शन उतना दिखाते हैं। फिर बेचते हैं तो सबसे घटिया क्वालिटी का कोयला होता है। ई० एफ० क्वालिटी की कीमत 206 रुपये टन है और यह लाखों टन एक-एक आदमी को दे देते हैं। नतीजा यह होता है कि लदाई के वक्त में वह "ए" ग्रेड का कोयला ले जाते हैं, "बी" ग्रेड का कोयला ले जाते हैं, जो छह सौ रुपये टन बिकता है। जो कोयला खरीदता है, पेमेंट तो करता है "ई", "एफ" ग्रेड कोयले की और ले जाता है "ए", "बी" ग्रेड कोयला जो छह, सात या आठ सौ रुपये टन है।

इस तरह से भारत सरकार की और जनता की लूट होती है और इसमें कुछ लोग हैं, जैसे बी०सी०सी०एल० में एक है रमेश गांधी, उसको लाखों टन दे दिया जाता है और ई,० एफ० क्वालिटी का कोयला दिया जाता है और वह बेचता है उसे छह सौ रुपये टन और यहां पहुंचा कर एक हजार या बारह सौ रुपये टन बेचता है। इस तरह से सार्वजनिक सम्पत्ति की लूट का घाटा होता है भारत सरकार को और भारत सरकार को उस घाटे को पूरा करने के लिए दाम बढ़ाना पड़ता है और दाम बढ़ाने से फिर चीजों की कीमत बढ़ जाती हैं क्योंकि कोयला की कीमत बढ़ने पर ऊर्जा की कीमत बढ़ती है और हर चीज का प्रोडक्शन कास्ट बढ़ जाता है। नतीजा यह होता है कि चीजों की कीमत बढ़ानी पड़ती है। यह बहुत अहम सवाल है। **(समय की घंटी)** जिसके मन में आता है, जो बी०सी० सी०एल० का वहां चेयरमैन-कम-मेनेजिंग डायरेक्टर है, वह कोई ए०के० सहाय उसको समूचा स्लरी दे दिया है और उस समूचे स्लरी का जो कीमत मिलता है, उससे तीन-चार गुना पर वह बेचता है। उसके पास तीन साल पहले खाने के लिए नहीं था, पर आज उसने 2500 रुपये का किराये का मकान ले लिया है।

[**उपसभाध्यक्ष (डा० बापू कालदाते)** (पीठासीन हुए)]

जो वहां रमेश गांधी हैं, उसके पास दस साल पहले, दो सौ रुपये की नौकरी नहीं थी। इस समय उसकी माली हैसीयत सौ करोड़ की है। एक वहां बी०पी० अग्रवाल है, उसे समूचा स्लरी करीब-करीब 30–40 मील का जो नदी में–नदी का सब कोयला लाकर यहां तीन, चार हजार रुपये टन वह बेचता है। वह काफी अच्छा कोयला है जो धुलाई के बाद निकलता है।

उस पर बहुत से प्रयास किये गये, लेकिन विफलता मिली है। मुझे उम्मीद है कि यह जो मौजूदा मंत्री जी हैं, समाजवादी हैं और देश के लिए इनके दिल में दर्द है। इस टेंगल को, यदि अग्रवाल टेंगल को सुलझा देंगे, तो मैं इनको बहुत शाबाशी दूंगा और इनको मर्द बखानूंगा कि यह मर्द हैं।... **(व्यवधान)**

सब तो वहां हिजड़े हो जाते हैं लोग अग्रवाल के सामने, बड़ी-बड़ी ताकतें हो जाती हैं और लोग कहते हैं कि हम इसको ठीक करेंगे और नतीजा यह होता है कि उसके सामने जाने पर उसकी थैली इतनी मजबूत है कि उसके थैली के सामने सब ढीले पड़ जाते हैं। यह बी०सी०सी० एल० बहुत अच्छा कोयला उत्पादन करता है जो स्टील के लिए जरूरी है, कोकिंग कोल उत्पादन करता है। तो इसलिए मैं चाहता हूं कि इसमें मंत्री जी जरा सक्रिय हों और यह सहाय को, गांधी को और बी०पी० अग्रवाल–इन तीनों को ठीक कर दें, तो इनको बिहार की जनता और भारत की जनता बधाई देगी।

ऊर्जा मंत्री, साथ में नागर विमानन मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार (श्री आरिफ मोहम्मद खान) : मैं उचित कार्यवाही करूंगा।

श्री राम अवधेश सिंह : हां, यह कर दीजिए, तब तो ठीक है। आप वहां सरप्राईज़ विज़िट करिए, जैसे देखिये हमारे नौसिखिया, आदमी बिहार का मुख्य मंत्री, जो लालू यादव हैं, उसने छापा मार-मार कर के कितनी जगह पकड़ लिया, आप भी दो-चार जगह छापा मारिये कि पत्थर पर कितना राख डाल कर आपको कोयला दिखा रहे हैं और वह कह रहा है कि एक लाख दो लाख टन है। इस तरह से भारत सरकार की सम्पत्ति को लूट कर, घाटे में डाल कर और कीमत बढ़ा कर हम लोगों को मुकाबला करना पड़ता है, चीजों की कीमत बढ़ती है। **(समय की घंटी)** यदि चीजों की कीमत रुक जाए... **(व्यवधान)**

उपसभाध्यक्ष (डा० बापू कालदाते) : राम अवधेश जी, जरा मेरी तरफ भी ध्यान दीजिएगा। बहुत समय हो गया है। कृपा करके समाप्त करिए।

श्री राम अवधेश सिंह : अभी तो मैंने तीन मिनट ही लिये हैं।

उपसभाध्यक्ष (डा० बापू कालदाते) : नहीं, नहीं, ज्यादा हो गये। मेरे आने के बाद भी तीन मिनट हो चुके हैं। अब समाप्त करिए।

श्री राम अवधेश सिंह : मैं केवल एक मिनट में ही अपने निवेदन के साथ अपनी बात समाप्त करता हूं, क्योंकि कोयले की कीमत अगर हम लोगों को बढ़ने से रोकना है, तो जिसको हम ब्लैक डायमंड कहते हैं, कोयला को, उसकी चोरी को आप रोक दीजिए, तो देश का और जनता का बहुत बड़ा हित होगा।

आपसे मुझको उम्मीद है, इसलिए मैं इस सवाल को उठा कर कह रहा हूं।

Discussions of Chief Minister of Tamil Nadu with LITE Representatives

SHRI G. SWAMINATHAN (Tamil Nadu): Mr. Vice-Chairman, Sir, there is reliable information that the hon. Chief Minister of Tamil Nadu is going to hold a dis" cussion with the Adviser of the LTTE... *{interruptions)...*

THE VICE-CHAIRMAN (DR. BAPU KALDATE): Let him speak.

SHRI T. R. BALU (Tamil Nadu): It is wrong. He should not waste the time of the House ... *(Interruptions)...*

SHRI SUBRAMANIAN SWA-MY (Uttar Pradesh): Chairman has permitted him to speak. He has a right to say.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. BAPU KALDATE): Mr. Gopal-samy, please hear me.

SHRI V. GOPALSAMY (Tamil Nadu): He should not come and tell here.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. BAPU KALDATE): The Chairman in his wisdom has allowed his special mention. So let him speak what he has to say. We may agree or we may not agree but please hear him because it has been allowed by the Chairman... *(Interruptions),..* You ask for another special mention. I have no objection.

SHRI T. R. BALU: He should not speak all these things here. He should not waste the time of the House. This is not the Tamil' Nadu Assembly.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. BAPU KALDATE): Tomorrow you can ask for it. After all the Chairman has allowed him to speak.

SHRI G. SWAMINATHAN: Please allow me to speak... *(Interruptions)...* Sir, the *Hindustan Times* has reported on May 16, 1990 on the press conference held by the hon. Chief Minister of Tamil Nadu, wherein Mr. Karunanidhi addressing the press conference has said "I came to know that the LTTE political